भारत सरकार
पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय
लोक सभा
अतारांकित प्रश्न सं. 837
शुक्रवार, 05 फरवरी, 2021 को उत्तर दिए जाने के लिए

समुद्री प्रजातियों पर जलवायु परिवर्तन के प्रभाव

837. श्रीमती रंजनबेन भट्ट:

क्या पृथ्वी विज्ञान मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या जलवायु परिवर्तन समुद्री प्रजातियों को बुरी तरह प्रभावित कर रहा है;
(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;
(ग) क्या सरकार का समुद्री प्रजातियों के संरक्षण के लिए कोई कदम उठाने का विचार है;
(घ) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और
(ङ) यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं?

उत्तर
विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी तथा पृथ्वी विज्ञान मंत्री
(डॉ. हर्ष वर्धन)

(a) जी,हां।
(b) समुद्री मत्स्य अनुसंधान संस्थान (सीएमएफआरआई) के अध्ययन में पाया गया है कि अरब महासागर में बढ़ते तापमान के कारण जेलीफिश की संख्या में वृद्धि हुई है। जेलीफिश की तेजी से बढ़ती संख्या का परिणाम है कि वे बड़े पैमाने पर सैरडाइन लार्वा को खा रही हैं, जिससे सैरडाइन मछलियों की संख्या में काफी कमी आई है। मन्नार की खाड़ी तथा अंडमान एवं निकोबार द्वीपसमूहों पर बहुधा होने वाले कोरल ब्लीचिंग की घटनाओं के साथ ही अधिकांशत: अल-नीनो घटनाएं हुई हैं, जो समुद्र तल के बढ़ते तापमान का संकेत देती हैं।
(c) जी, हां। पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय का इस विषय-वस्तु की समझ को बेहतर बनाने के लिए वर्ष 2021-2026 की अवधि के दौरान समुद्री सजीव संसाधनों के सतत अध्ययन को जारी रखने का प्रस्ताव है।
(d) पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय का भौतिक प्रक्रियाओं के अध्ययन, जैव-भूरासायनिकी तथा जैविक प्रतिक्रिया के कारण अरब महासागर में होने वाली विभिन्न पारिस्थितिकी प्रतिक्रियाओं और विभिन्न समुद्री प्रजातियों के जैव-सूचीकरण सहित समुद्री सजीव संसाधनों के अध्ययन को जारी रखने का प्रस्ताव है।
(e) प्रश्न नहीं उठता।

******